अमर उजाला

रेबीज मुक्त होगी काशी: नगर निगम और वेदांता समूह के बीच हुआ एमओयू, देश के लिए मॉडल बनेगी ये पहल

अमर उजाला नेटवर्क, वाराणसी। Published by: प्रगति चंद Updated Tue, 10 Feb 2026 12:39 PM IST

सार

Varanasi News: वाराणसी शहर को नगर निगम और वेदांता समूह रेबीज मुक्त बनाएंगे। इसके तहत ऐढ़े स्थित नगर निगम के पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) केंद्र को अत्याधुनिक बनाया जाएगा।

काशी रेबीज मुक्त, पशु कल्याण और उनके वैज्ञानिक प्रबंधन के क्षेत्र में भी देश के लिए मॉडल बनेगी। इस संबंध में नगर निगम और वेदांता समूह के अनिल अग्रवाल फाउंडेशन के बीच सोमवार को एक समझौता (एमओयू) हुआ। इसके तहत ऐढ़े स्थित नगर निगम के पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) केंद्र को अत्याधुनिक बनाया जाएगा।

वेदांता की प्रमुख पशु कल्याण पहल टाको के माध्यम से अगले 15 वर्षों तक इस केंद्र का संचालन और प्रबंधन किया जाएगा। नगर आयुक्त हिमांशु नागपाल ने बताया कि इस परियोजना के लिए शुरुआती दौर में फाउंडेशन सीएसआर से 50 करोड़ रुपये निवेश करेगी, ताकि इस केंद्र में एनीमल बर्थ कंट्रोल रूल्स-2023 और भारतीय जीव-जंतु कल्याण बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुरूप स्ट्रीट डॉग्स की नसबंदी और एंटी-रेबीज टीकाकरण का कार्य वैज्ञानिक तरीके से किया जा सके।

इस मौके पर वेदांता लिमिटेड की गैर-कार्यकारी निदेशक और टाको की एंकर प्रिया अग्रवाल हेब्बर ने कहा कि हमारा उद्देश्य वाराणसी में एक ऐसा मानवीय मॉडल विकसित करना है, जिससे पशुओं और समाज के बीच बेहतर तालमेल बना रहे। इस साझेदारी से शहर में आवारा पशुओं की आबादी पर प्रभावी नियंत्रण लगेगा, जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य और नागरिक सुरक्षा को मजबूती मिलेगी।